KRILO THE TANNER – UKRANIAN FOLK TALE
किरिलो चर्मकार - यूक्रेनी लोक कथा
चित्र: एस.आर्टुशेंको
हिंदी: अरविन्द गुप्ता
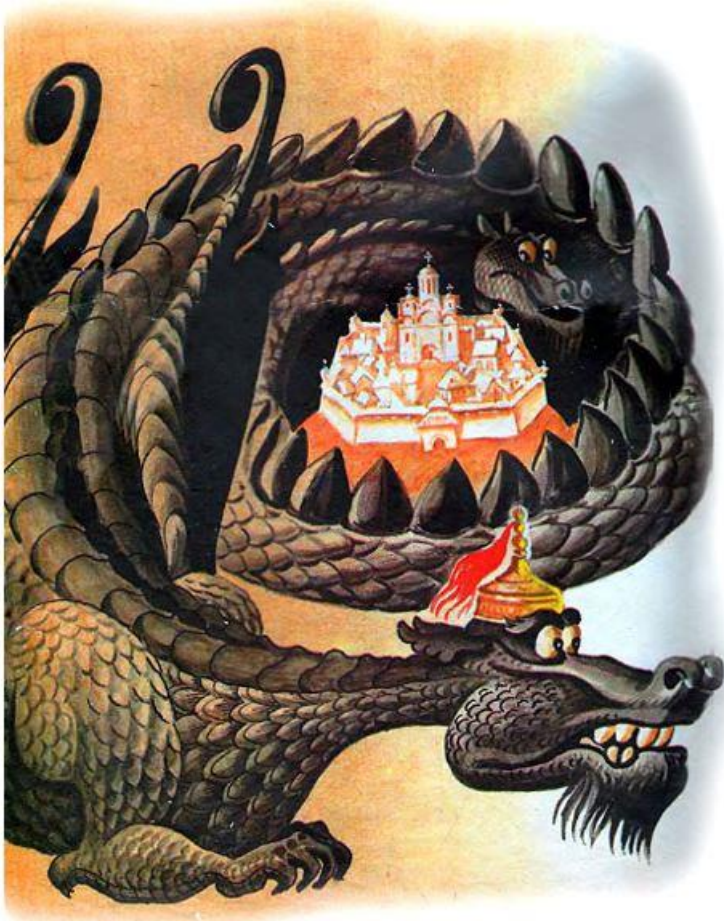
उन दिनों जब कीव में एक राजा राज्य करता था, तब एक ड्रैगन शहर की दीवारों के पार रहता था और वो शहरवासियों से टैक्स वसूलता था: उन्हें ड्रैगन को सालाना एक आदमी या एक महिला का टैक्स देना होता था.

अंत में ड्रैगन के पास जाने की राजा की बेटी की बारी आई. राजा ने अपनी बेटी को ड्रैगन के पास भेजा, उसने भी वही किया जैसा कि बाकी शहरवासियों ने किया था. राजकुमारी इतनी प्यारी थी कि शब्दों में उसकी सुंदरता को बयां नहीं किया जा सकता था. ड्रैगन को राजकुमारी देखते ही उससे प्यार हो गया. राजकुमारी को उसका कुछ अंदाज हो गया. इसलिए वो ड्रैगन के प्रति दयालु बनी रही और उससे मीठी-मीठी बातें करती रही.

"मुझे बताओ, ड्रैगन, क्या इस धरती पर कहीं कोई ऐसा आदमी है जो तुमसे ताकतवर हो?" राजकुमारी ने उससे पूछा. तब तक राजकुमारी, ड्रैगन के साथ कुछ दिन बिता चुकी थी.

"हां, ऐसा एक आदमी है. वो नीपर नदी के ऊंचे तट पर कीव में रहता है," ड्रैगन ने कहा, "वो एक चर्मकार है, और वो इतना ताकतवर आदमी है कि वो हमेशा एक बार में कम-से-कम बारह खालें भिगोता है. वो उन्हें नीपर नदी में भिगोता है. एक बार जब खालें पानी में भीग जाती हैं तो वे बहुत भारी हो जाती हैं. देखो, मैंने उन खालों को पानी के नीचे पकड़ने की कोशिश की, यह देखने के लिए कि क्या वो चर्मकार उन्हें फिर से बाहर खींचकर उन्हें किनारे पर ले जा सकेगा या नहीं. चर्मकार ने उस काम को बड़ी आसानी से किया, और अगर मैं उसे अनुमति देता तो शायद वो उनके साथ मुझे भी किनारे तक खींच लेता. वो चर्मकार ही एक ऐसा आदमी है जिससे मुझे डर लगता है."

राजकुमारी ने ड्रैगन की बात सुनी और फिर वो अपने पिता को उस खबर को भेजने के तरीके के बारे में सोचने लगी. राजकुमारी बिल्कुल अकेली थी. उसके पास सिर्फ एक कबूतर था जिसे उसने तब पाला था जब वो कीव में रहती थी और जिसे वो अपने साथ लाई थी. राजकुमारी ने बहुत देर तक सोचा और फिर उसने अपने पिता को पत्र लिखने का फैसला लिया.
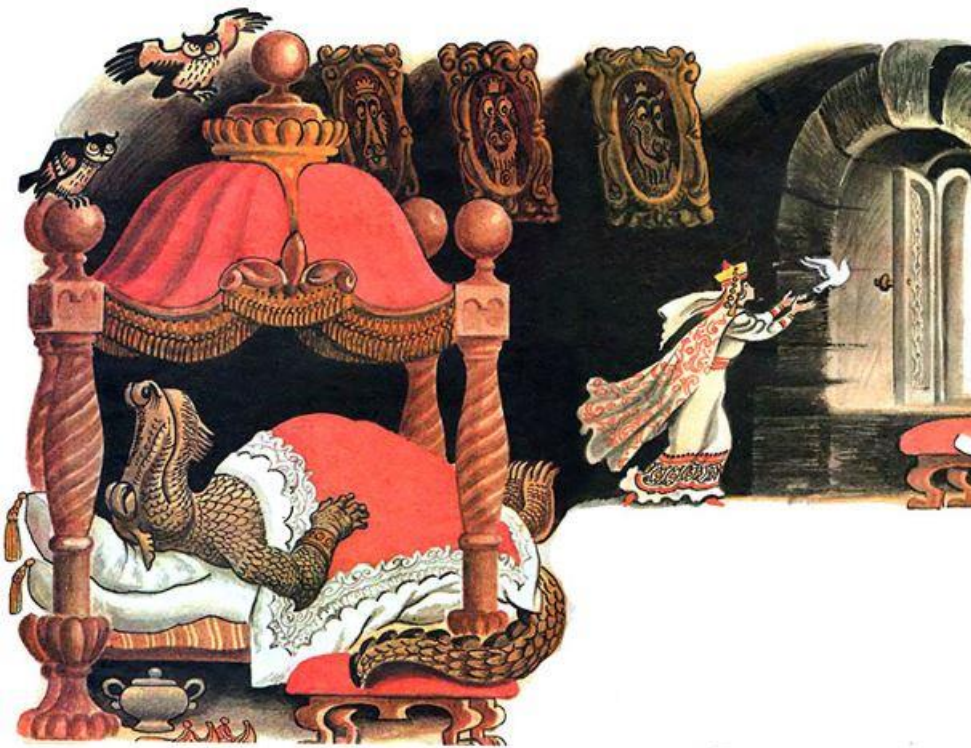
"कीव में एक आदमी है, किरिलो नाम का एक चर्मकार," उसने लिखा, "और मैं आपसे विनती करती हूं कि आप उसे भरपूर मनाने की कोशिश करें कि वो ड्रैगन से लड़े और मुझे, यहां की कैद से मुक्त कराए. यदि उस चर्मकार पर शब्दों का कोई असर न हो तो उसे उपहारों से नहलाएं, और उसके साथ बहुत विनम्रता के साथ पेश आएं. ऐसा न हो कि वो किसी बात को लेकर नाराज हो जाए. अपने अंत तक मैं आप दोनों के लिए प्रार्थना करूंगी. ईश्वर आप पर अपनी कृपा बनाए रखे..."

राजकुमारी ने पत्र को कबूतर के पंख से बांध दिया और कबूतर को खिड़की से बाहर उड़ने दिया. कबूतर आसमान में उड़ते हुए सीधे महल में पहुँचा. राजा के बच्चों ने, जो आंगन में इधर-उधर खेल रहे थे, कबूतर को देखा और वे चिल्लाये:
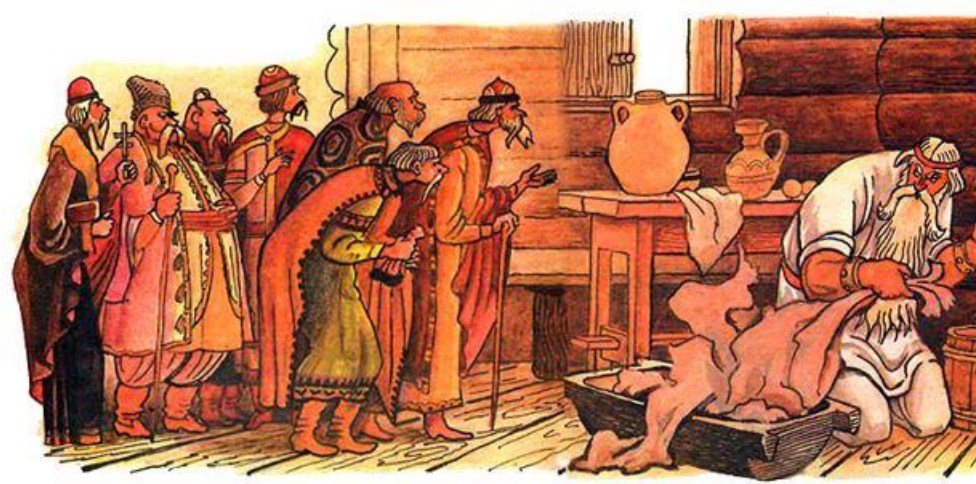
"पिताजी! देखिये बहन का कबूतर आया है!"

यह खबर सुनकर राजा का दिल खुशी से भर गया, लेकिन जब उसने अपनी बेटी के बारे में सोचा तो उसका दिल फिर से भारी हो गया.

"मेरी बेटी मर गई होगी, ड्रैगन ने उसे मारा डाला होगा," राजा ने खुद से कहा.

उसने कबूतर को अपने हाथ पर उतरने के लिए फुसलाया, और देखा! उसके पंख पर एक नोट बंधा हुआ है. राजा ने उसे पढ़ा और तुरंत राज्य के बुद्धिमान लोगों को बुलाया.

"क्या कीव में किरिलो चर्मकार नाम का कोई आदमी रहता है?" राजा ने पूछा.

"जी महाराज. वो चर्मकार नीपर के ऊंचे तट पर रहता है," बुद्धिमान लोगों ने उत्तर दिया.

"हम उससे कैसे संपर्क करें ताकि वो नाराज न हो और फिर जैसा हम कहें वो वैसा ही करे?"

इसका उन लोगों के पास कोई जवाब नहीं था, इसलिए उन्होंने इस बात पर चर्चा की और फिर किरिलो से बात करने के लिए कीव के सबसे बुद्धिमान लोगों को भेजने का फैसला किया. दूत तुरंत निकल पड़े. वे किरिलो की झोपड़ी में पहुंचे, दरवाज़ा खोला और वहीं खड़े रहे चूंकि चर्मकार उनकी ओर पीठ करके फर्श पर बैठा था. उसने अपने नंगे हाथों से एक ही बार में बारह कच्ची खालों को घुमाया और निचोड़ा. जब वो काम कर रहा था तो उन्हें उसकी बर्फ़ जैसी सफ़ेद दाढ़ी ऊपर-नीचे हिलती हुई दिखाई दी.

दूतों में से एक को खांसी आई, जिससे किरिलो चौंका और उसने खालों को इतनी जोर से घुमाया कि खालें उसके हाथों में ही फट गईं. वो मुड़ा और उसने बुद्धिमान लोगों की ओर मुंह किया. वे झुककर उसे बताने लगे कि उन्हें किसने और क्यों भेजा था. लेकिन वो इतना गुस्सा था कि उसने न तो उनकी ओर देखा और न ही उनकी कोई बात सुनी. वे गिड़गिड़ाये और यहां तक कि वे उसके सामने घुटनों के बल गिर पड़े, परन्तु उसका कोई फायदा नहीं हुआ.

फिर क्या किया जा सकता था?

वे दुखी होकर राजा के पास वापस गए. राजा ने बहुत देर तक सोचा और फिर उसने कीव के सबसे युवा लोगों को किरिलो के पास भेजने का फैसला किया.

लेकिन युवा दूत भी, पुराने दूतों की तुलना में अधिक सफल नहीं हुए. चर्मकार ने उनकी विनती को भी चुपचाप सुना लेकिन वो पत्थर के समान अंधेरे में बैठा रहा.

राजा ने फिर सोचा, उसने बहुत देर तक सोचा, फिर उसने कुछ छोटे बच्चों को किरिलो के पास भेजा. और जब छोटे बालक चर्मकार की झोंपड़ी के पास आए, और उसके सामने घुटनों के बल गिरकर गिड़गिड़ाने और रोने लगे, तब किरिलो खुद भी रो पड़ा.
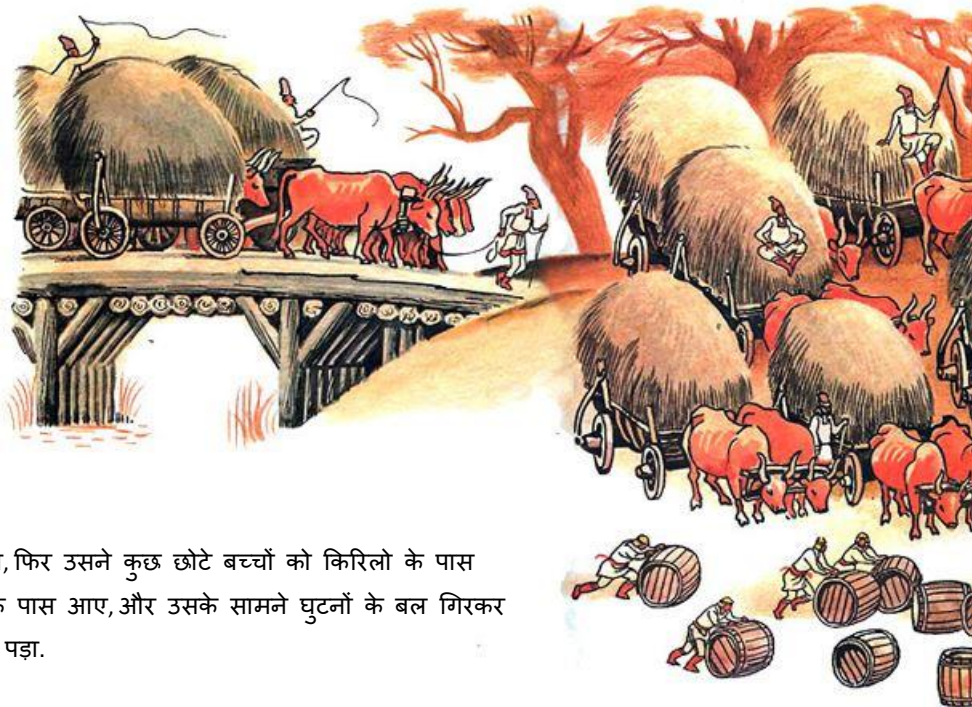
फिर चर्मकार ने कहा, "बहुत अच्छा, तुम जो कहोगे मैं वैसा ही करूंगा."

फिर चर्मकार, राजा के पास गया और उसने बारह बैरल कोलतार और बारह गाड़ी रस्सी मांगी. सामान लाया गया. फिर उसने रस्सी को अपने चारों ओर घुमाया और उस पर तारकोल पोत दिया, और एक गदा लेकर, जिसका वजन बहुत भारी था, वो ड्रैगन से लड़ने के लिए चला.

"क्या तुम मुझसे लड़ने आए हो, किरिलो, या मेरे साथ शांति स्थापित करने आए हो?" ड्रैगन ने पूछा.

"मैं तुमसे लड़ने के लिए आया हूं राक्षस! तुम जैसे धूर्त के साथ मैं कभी शांति नहीं बनाऊंगा!" किरिलो ने उत्तर दिया.

वे लड़ने लगे, जिससे पृथ्वी हिल गई और उनके नीचे गड़गड़ाहट हुई. ड्रैगन, किरिलो पर झपटा और उसने उसे काटने की कोशिश की, फिर कोलतार उसके नुकीले दांतों में चिपक गया; वो दुबारा झपटा, और फिर रस्सी का एक टुकड़ा उसके दांतों के बीच चिपक गया. फिर किरिलो, ड्रैगन पर अपने गदा से प्रहार किया और उसे जमीन पर गिरा देगा.

ड्रैगन इतना गर्म हो गया कि मानो उसके शरीर में आग लग गई हो. वो डुबकी लगाने और ठंडा पानी पीने के लिए नीपर की ओर दौड़ा. उस बीच चर्मकार ने फिर से अपने शरीर पर कुछ और रस्सी बांध ली और उस पर कोलतार पोता.

जब भी ड्रैगन पानी से बाहर निकलकर किरिलो के पास आता, चर्मकार अपनी गदा लहराता और उस पर प्रहार करता. ड्रैगन फिर से उसके पास आता, और फिर से किरिलो उस पर इतनी जोर से वार करता कि उसकी आवाज पूरे क्षेत्र में गूंजती.

वे तब तक लड़ते रहे जब तक कि बादलों में धुआं न उठने लगा और चिंगारियां उनके चारों ओर उड़ने लगीं. किरिलो के वार ज़ोरदार और तेज़ थे. फिर ड्रैगन एक भट्टी में लोहे के हल की तरह धधक उठा. वो खांसने लगा और छटपटाने लगा, और उसके नीचे की ज़मीन थर-थर कांपने लगी.

सारे नगरवासी पहाड़ी की चोटी पर खड़े हुए वो युद्ध देखते रहे, और वे वहां पर बिना हिले खड़े रहे.

अचानक एक बड़ी ज़ोर की आवाज़ हुई. ड्रैगन बड़ी जोर से जमीन पर गिर पड़ा और वो कांपने लगा. फिर पहाड़ी की चोटी पर मौजूद नगरवासियों ने ताली बजाई और किरिलो चर्मकार की जय-जयकार की.

ड्रैगन मृत पड़ा था, और किरिलो, जिसने ड्रैगन को मारा था वो राजकुमारी को मुक्त कराकर, राजा के पास लाया.

राजा को समझ नहीं आया कि वो किरिलो को कैसे धन्यवाद दे. फिर उस दिन से कीव का वो हिस्सा जहां किरिलो रहता था, चर्मकार प्लेस के नाम से जाना जाने लगा.